सीआरपीएफ समाचार

जनवरी – फरवरी 2026









मुख्य संरक्षकः
श्री ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह
भा.पु.से. महानिदेशक

संपादकीय सलाहकार मण्डल

अध्यक्षः
श्री ज्ञानेन्द्र कुमार वर्मा, भा.पु.से.
महानिरीक्षक (परिचालन)

सदस्यः
श्री एम. धिनाकरण
उप महानिरीक्षक (कार्मिक)
श्री बी. जयकृष्णन, उप महानिरी (परि0)
श्री हर्षवर्धन, कमांडेंट (आसूचना)
डॉ निशीत कुमार, उप महानिरी.,(कल्याण शाखा)
श्री हरज्ञान सिंह गुर्जर, कमांडेंट (परि0)

मुख्य संपादकः
श्री मनोरंजन कुमार, द्वि. क. अधिकारी
(जन संपर्क अधिकारी)

संपादकः
श्री रेवाशंकर गोल्हानी,
सहायक कमांडेंट(राजभाषा)

संपादकीय सहायताः
उ.नि./आशुलिपिक प्रशांत कुमार
सउनि/मंत्रा सत्य पाल

डिजाईनिंग एवं चित्रः
हव/जीडी ई. सतीश
हव/जीडी दिनेश कुमार

जन संपर्क फोटो सेल, महानिदेशालय
और सीआरपीएफ वाहिनियां

संपादकीय कार्यालयः
महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल,
ब्लाक–1, केन्द्रीय कार्यालय परिसर,
लोधी रोड, नई दिल्ली–110003
दूरभाषः 24360649

इस अंक में

आर्टिकल

3 CRPF Secures Highest Number of Gallantry Medals among CAPFs on 77th Republic Day

5 विचारधारा की उत्पत्ति

7 खून के रिश्ते "पावर ऑफ अटार्नी" का फंदा और न्याय की बेबसी: एक सैनिक की अनकही दास्तान

10 मुझको मेरा हक दो

11 निसर्ग का अनुपम सौंदर्य

12 ऑपरेशन सिंदूर – रक्त का टीका

14 फौजी की पत्नी का दर्द

17 आगे बढ़े चलो

19 इब्तिदा – ए – 2026

20 "देश पहले, मैं बाद में" राष्ट्र सर्वोपरि – जीवन, कर्तव्य और त्याग का महान दर्शन

24 सी.आर.पी.एफ. की गौरवशाली संक्षिप्त गाथा

26 Women Empowerment – The Strength of a Nation

28 ''सीने पर गोली, दिल में तिरंगा''

झलकियां

29 Glimpses

34 कल्याण शाखा

35 भर्ती शाखा

मेडल एवं उपलब्धियाँ

36 DG's Commendation Disc and Certificate

42 Achievements

सीआरपीएफ समाचार एक द्विमासिक पत्रिका है। इसमें प्रकाशित किए जाने वाले विचार लेखकों के व्यक्तिगत विचार हैं। विभाग की नीति से इसका कोई सम्बन्ध नहीं है। – ***मुख्य संपादक***

महानिदेशालय सीआरपीएफ की ओर से प्रकाशित

CRPF Secures Highest Number of Gallantry Medals among CAPFs on 77th Republic Day

On the auspicious occasion of the 77th Republic Day of India, the Central Reserve Police Force (CRPF) has once again exemplified exceptional courage, professionalism, and supreme sacrifice in the service of the nation. This year, CRPF personnel have been awarded 13 Gallantry Medals, the highest among all Central Armed Police Forces (CAPFs).

The prestigious honours include one Shaurya Chakra and twelve Gallantry Medals, taking the cumulative tally of gallantry awards earned by the CRPF to an impressive 2556. This remarkable achievement stands as a testament to the indomitable spirit, operational excellence, and unparalleled bravery demonstrated by CRPF personnel while operating in the most challenging and hostile environments of J&K, North East and LWE theatre.

In addition, 62 Service Medals have been conferred upon CRPF personnel in recognition of their distinguished and meritorious service to the Nation. These include 5 Medals for President's Medal for Distinguished Service(PSM) and 57 Medal for Meritorious Service(MSM).

A notable highlight of this year's honours is the conferment of the Shaurya Chakra upon Assistant Commandant Shri Vipin Wilson of 20 Battalion, CRPF, for displaying extraordinary valour and exemplary courage in the line of duty.

The CRPF is proud of its gallant personnel and their families for their unwavering resolve, sacrifice, and selfless dedication to the nation, and reaffirms its commitment to serve the country with honour, courage, and dedication.

Jai Hind.


CENTRAL RESERVE POLICE FORCE
Peacekeepers of the Nation
5
PRESIDENT'S MEDALS FOR DISTINGUISHED SERVICE (PSM) TO CRPF ON 77TH REPUBLIC DAY 2026
PSM
SONAL V MISRA, IPS
INSPECTOR GENERAL
P. R JAMBHOLKAR
DY. INSPECTOR GENERAL
SUNIT KUMAR RAI
DY. INSPECTOR GENERAL
DR. SUSHMA SHARMA
DY. INSPECTOR GENERAL(MEDICAL)
BINOD TOPPO
COMMANDANT
57
MEDALS FOR MERITORIOUS SERVICE (MSM) TO CRPF ON 77TH REPUBLIC DAY 2026
MSM
RAJENDRA NARAYAN DASH, IPS
INSPECTOR GENERAL
DR. HARISH SINGH
DY. INSPECTOR GENERAL
RAJEEV KUMAR CHAUDHARY
COMMANDANT
P. MANOJ KUMAR
COMMANDANT
KISHORE KUMAR
COMMANDANT
MAHESH KUMAR
COMMANDANT
DIPAK KUMAR
COMMANDANT
V. SHIVA RAMA KRISHNA
COMMANDANT
BHAVESH CHOUDHARY
COMMANDANT
DEEPAK BHATI
COMMANDANT
AMIT CHOUDHARY
COMMANDANT
ANIL KUMAR SINGH
COMMANDANT
HAJARI LAL
COMMANDANT
AJAY KUMAR
COMMANDANT
BIJOY KUMAR BASUMATARY
CMO(SG)
MANISHA GARG
CMO(SG)
HAJARI LAL
SECOND-IN-COMMAND
(NOW COMMANDANT)
ANIL KUMAR SINGH
SECOND-IN-COMMAND
PRAGYESH KUMAR ATAL
DY COMMANDANT
VINESH KUMAR
DY COMMANDANT
SATISH
DY COMMANDANT
PARKASH SINGH
ASST. COMMANDANT
ANAND KUMAR
ASST. COMMANDANT
NARAYANAN S S
ASST. COMMANDANT/M
NARAYANAN M V
ASST. COMMANDANT/M
RETNA NAIR
ASST. COMMANDANT/PS
BANDHIYA BABU
INSPECTOR/GD
RAJBIR SINGH BARWAR
INSPECTOR/GD
BACHHU SINGH
INSPECTOR/GD
OM PRAKASH
INSPECTOR/GD
SANEESH KUMAR
INSPECTOR/GD
DILIP SINGH
INSPECTOR/GD
PRAVEEN KUMAR SINGH
INSPECTOR/GD
KHOIROM PRASANTA MEETEI
INSPECTOR/GD
MADHU SUDAN ROY
INSPECTOR/RO
BHOOP SINGH
INSPECTOR/TECH
LAXMAN SINGH
INSPECTOR/B - BAND
ASHOK
SUB INSPECTOR/GD
DANIEL SHAJI
SUB INSPECTOR/GD
(NOW INSP/GD)
TARSEM LAL
SUB INSPECTOR/GD
AWADHESH KUMAR SINGH
SUB INSPECTOR/GD
GURMAIL SINGH
SUB INSPECTOR/GD
CHAMAN LAL
SUB INSPECTOR/GD
VINOD SINGH
SUB INSPECTOR/GD
KUMARI MADHU
SUB INSPECTOR/GD (MAH)
JASWANT RAI
SUB INSPECTOR/MM
GUPTESHWAR PRASAD SINGH
ASST. SUB INSPECTOR/GD
HAWA SINGH
ASST. SUB INSPECTOR/GD
ANIL KUMAR SAKLANI
ASST. SUB INSPECTOR/GD
KRISHAN KUMAR
ASST. SUB INSPECTOR/GD
NAWAL KISHOR
ASST. SUB INSPECTOR/GD
MHETRE AMOGSIDDHA BHIMRAO
HEAD CONSTABLE/GD
DHUMAL KIRAN VILASRAO
HEAD CONSTABLE/GD
SURAJ KUMAR
HEAD CONSTABLE/CPTR
MAHABIR SINGH OLA
HEAD CONSTABLE/DVR
MAJER SINGH
HEAD CONSTABLE/COB
RAVAL SHASHINKUMAR HIRALAL
CONSTABLE/GD
crpf.gov.in
CentralReservePolice
@crpfindia
crpf.peacekeepersofthenation

विचारधारा की उत्पत्ति



रवि शंकर मिश्रा, कमांडेंट
झारखण्ड सेक्टर

जाड़े की एक शांत दोपहर थी। घर की बालकनी में बैठा मैं धूप की हल्की गरमाहट का आनंद ले रहा था। वातावरण में एक अलग ही हलचल थी। चारों ओर चुनावी सरगर्मी अपने चरम पर थी। सड़कों से गुजरती प्रचार गाड़ियाँ अपने–अपने प्रत्याशियों के समर्थन में नारे उछाल रही थीं। पास के चौराहे पर स्थित एक छोटी–सी चाय की गुमटी लोगों से घिरी हुई थी। वहाँ चाय के प्यालों के साथ–साथ विचार भी उबाल पर थे। यूँ भी कहा जाता है कि देश की राजनीति का सबसे गहन और निष्कपट विश्लेषण चाय की दुकानों पर ही होता है।

जिज्ञासावश मैं भी उस गुमटी तक जा पहुँचा। एक कप चाय लेकर वहीं बैठ गया और चर्चाओं को ध्यान से सुनने लगा। विभिन्न विचारधाराओं के लोग अपनी–अपनी सोच को श्रेष्ठ सिद्ध करने में लगे थे। कोई वामपंथी वर्तमान व्यवस्था की खामियाँ गिनाते हुए आमूलचूल परिवर्तन की वकालत कर रहा था। कोई समाजवादी था, जो संतुलन, सहमति और सबको साथ लेकर चलने की बात कर रहा था। वहीं एक कट्टर दक्षिणपंथी देश, संस्कृति और राष्ट्र प्रथम के सिद्धांतों पर अडिग दिखाई दे रहा था। कुछ लोग ऐसे भी थे, जो किसी भी खेमे से बँधे नहीं थे—निर्दलीय सोच वाले। वे अपनी बात रख तो रहे थे, पर उन्हें सुनने वाला कोई नहीं था।

मेरा मन भी खोजी प्रवृति का होने के कारण मै गहन चितंन में खो गया कि ये विचारधारा की उत्पति कब तथा कैसे हुई। क्या यह विचारधारा सृष्टि के प्रारम्भ से ही है या बाद में उत्पन्न हुई। किसी क्षेत्र विशेष में एक प्रकार की विचारधारा है। मेरे सारे उठ रहे प्रश्न का उत्तर मेरा मन नही में ही दे रहा था। अगर सृष्टि के प्रारंभ से ही विचारधारा की उत्पत्ति होती तो पूरे विश्व में एक ही विचारधारा होती। यदि क्षेत्र विशेष में एक विचारधारा होती तो हर देश में विचारधारा की लड़ाई न होती। कमोवेश यही स्थिति राज्य की है, शहर में भी अलग–अलग विचारधारा है, यह चाय की गुमटी की चर्चा साबित करती है। अगर हम अपने समाज, मोहल्ले की बात करें तो वहाँ भी विचारधारा की लड़ाई होती रहती है। खेल के मैदान में खेलते बच्चों की विचारधारा पार्क में बड़े बुजुर्ग से सर्वथा भिन्न होती है। मेरा परिवार भी संयुक्त परिवार है, परिवार में सभी पीढ़ी के लोग हैं। स्कूल कालेज जाते बच्चे हैं तो रोजगार करते युवा भी हैं, नौकरी से सेवानिवृत बुजुर्ग हैं तो अतिबुजुर्ग सदस्य भी हैं। ध्यान से देखने पर पता चलता है कि हर पीढ़ी की विचारधारा भिन्न–भिन्न है। घर के बच्चे का समूह पूरी तरह वामपंथी विचारधारा की तरह है घर में चलने वाले सारे नियम कायदे उसे गलत लगते हैं। सभी कायदे कानून को बदलने के हिमायती रहते हैं, बच्चों पर होती कड़ाई का विरोध करने का प्रयास रहता है चाहे वह सफल हो या असफल।

वहीं रोजगार में व्यस्त युवा की विचारधारा सर्वथा भिन्न होती है। कार्यक्षेत्र हो या घर वह सामंजस्य स्थापित कर चलना चाहता हैं। बच्चे तथा बुजुर्ग दोनों को साथ लेकर चलना चाहता है। उनकी ये समाजवादी विचारधारा बचपन की बामपंथी विचारधारा, जो उसके भी बचपन में थी, पर हावी होता प्रतीत होती है। घर का माहौल शांतिपूर्ण रहे उसके लिए वह हर समझौता करने के लिए तैयार रहता है। उसकी सोच में लचीलापन स्पष्ट दिखने लगता है। वह युवा काल से प्रौढ़ावस्था तक यही समझौतावादी समाजवादी विचारधारा को ढ़ोता रहता है। बचपन की वो वामपंथी विचारधारा जो सारे नियम व कायदे के बंधन को तोड़ने की चाहत थी, धीरे–धीरे समाप्त हो जाती है।

युवा से प्रौढ़ तथा प्रौढ़ से वृद्ध होते होते जैसे शरीर का लोच खत्म हो जाता है वैसे ही विचार का लचीलापन भी समाप्त होने लगता है। वह हर स्थिति के लिए एक मत बना लेता है जो उसके विचार से मिलता है। वह सही है तथा जो मेल नहीं खाता है वह गलत। बचपन का विरोधी स्वभाव युवा काल का समाजवाद अब अवसान की ओर चला जाता है तथा वह दक्षिणपंथी विचारधारा से प्रेरित हो जाता है। प्यार मोहब्बत से समाज का पतन दिखने लगता है। बाल विरोधी स्वभाव के बच्चे में संस्कृति का पतन दिखता है। बचपन तथा युवावस्था में यह दक्षिणपंथी व्यक्ति की विचारधारा अलग थी। अगर ऐसा नहीं होता तो उस समय की प्यार तथा समाज के विरोध से प्रेरित सिनेमा ब्लॉक बस्टर नहीं होती। जैसे लैला मजनुं, मुगले आजम आदि।

उम्र बिना रूके आगे बढ़ती रहती है। उसके साथ–साथ सोच तथा परिस्थिति भी बदलती रहती है। वृद्ध के बाद व्यक्ति अतिवृद्ध की श्रेणी में आ जाता है। अब परिवार में उसकी स्थिति उपस्थिति मात्र ही रह जाती है। कोई उनसे सलाह नहीं लेता है, इसका भान उस व्यक्ति को भी होती है। वह निरपेक्ष विचारधारा के समान हो जाता है। जैसे चुनाव में निर्दलीय की स्थिति। उसे पता होता है कि जनता उस पर विश्वास नही करेगी। परन्तु अपना विचार रखता है, वैसे ही अति बुजुर्ग लोग भी अपनी राय रखते हैं। पर अधिकतर विचार नहीं माना जाता है। परन्तु उससे उस पर कोई असर नहीं होता है।

मनुष्य में उपजी विचारधारा मरती नहीं है, वह समय के साथ दब जाती है। नई विचारधारा पुरानी विचारधारा पर ठीक उसी प्रकार हावी हो जाती है। जिस प्रकार अलमारी में रखे पुराने वस्त्र के उपर नए वस्त्र आ जाते है। मनुष्य भी उसी प्रकार अपनी यादों की अलमारी में अपनी सारी विचारधारा को समय–समय पर निहारते रहता है।

इन विचारों में डूबा मैं कब तीन–चार कप चाय पी गया, इसका पता ही नहीं चला। दोपहर कब शाम में ढल गई, यह भी ध्यान में नहीं रहा। अंततः मैं घर लौट आया और जीवन की दैनिक गतिविधियों में फिर से व्यस्त हो गया, पर मन में विचारधाराओं की यह यात्रा अब भी अनवरत जारी थी।



खून के रिश्ते "पावर ऑफ अटॉर्नी" का फंदा और न्याय की बेबसी: एक सैनिक की अनकही दास्तान

सउनि/मंत्रा आदेश कुमार
रेंज हीरानगर

सरहदों और दूर–दराज के नक्सल प्रभावित इलाकों में देश के लिए सेवा करने वाला एक सैनिक जब अपने भविष्य के लिए पाई–पाई जोड़कर कोई ज़मीन खरीदता है, तो वह केवल मिट्टी का टुकड़ा नहीं होता, वह उसके जीवन भर के संघर्षों और बुढ़ापे की लाठी का प्रतीक होता है। लेकिन क्या हो, जब इस सपने को दुश्मन की गोली नहीं, बल्कि अपनों का लालच छलनी कर दे और उससे भी बड़ी विडंबना यह कि हमारे देश का 'पंजीकरण कानून' (Registration Act) सब कुछ जानते हुए भी एक मूक दर्शक बना रहे। यह कहानी केवल एक सैनिक की नहीं है, बल्कि देश के उन लाखों प्रवासी और असहाय लोगों की है, जो अपनी संपत्तियों की देखरेख के लिए 'खून के रिश्तों' पर अंधा विश्वास कर बैठते हैं।

भरोसे की बुनियाद और धोखे का आगाज़: यह घटना उत्तराखंड राज्य के एक छोटे से कस्बे की है। एक सैनिक ने अपनी पत्नी के नाम पर 02 जून 2016 को काशीपुर (उत्तराखण्ड) में 153.90 वर्गमीटर आवासीय भूमि खरीदी थी। देश सेवा की व्यस्तताओं और दूरस्थ तैनाती के कारण ज़मीन की देखरेख हर समय उस सैनिक द्वारा संभव नहीं थी। सैनिक की पत्नी ने अपने पति के साथ विश्वासघात कर अपने सगे भाई को उक्त ज़मीन में से केवल 117.10 वर्गमीटर हिस्से की देखरेख और बिक्री के लिए अपना मुख्तारनामा (Power of Attorney Holder) नियुक्त कर दिया।

लेकिन, जिस रक्षक को ज़मीन सौंपी गई, वही भक्षक बन बैठा। सगे भाई ने अपनी बहन के विश्वास और अपने दो भांजों के भविष्य का गला घोटते हुए मुख्तारनामा की कानूनी सीमा का खुला उल्लंघन किया। उसने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर अलग–अलग तिथियों में तीन अलग–अलग बैनामों के माध्यम से कुल 160.59 वर्गमीटर जमीन बेच डाली। यानि उस ज़मीन का भी सौदा कर दिया, जिसे बेचने का उसे कोई कानूनी अधिकार ही नहीं था।

कानूनी पेचीदगियां और विडंबना: जब इस जालसाजी का पर्दाफाश हुआ और न्याय के लिए सब–रजिस्ट्रार (उप–निबंधक) का दरवाज़ा खटखटाया गया, तो भारतीय पंजीकरण अधिनियम 1908 की एक बहुत बड़ी खामी उजागर हुई। उप–निबंधक की आधिकारिक जांच आख्या में यह साबित तो हो गया कि ज़मीन अधिकार से अधिक बेची गई है, लेकिन उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि वे इस अवैध बैनामे को रद्द नहीं कर सकते। नियमों के अनुसार, सब–रजिस्ट्रार का काम केवल दस्तावेज़ प्रस्तुत करने वाले की पहचान करना है। मुख्तारनामा में लिखे रकबे की सत्यता या वैधता की जांच करना उनके अधिकार क्षेत्र में ही नहीं आता। एक बार रजिस्ट्री

हो गई, तो उसे रद्द करने का अधिकार केवल और केवल दीवानी न्यायालय (Civil Court) के पास है । यानी, धोखाधड़ी करना आसान है, लेकिन उसे साबित करने के लिए पीड़ित को सालों तक कोर्ट–कचहरी के चक्कर काटने होंगे।

खून के रिश्तों की बेड़ियाँः असली पीड़ित कौन? इस पूरे प्रकरण का सबसे दुखद पहलू कानूनी नहीं, बल्कि पारिवारिक और भावनात्मक है। ज़मीन सैनिक की पत्नी के नाम पर खरीदी गई थी, इसलिए कानूनी रूप से दीवानी मुकदमा वही दायर कर सकती हैं। लेकिन जब बात सगे भाई पर आपराधिक या दीवानी कार्रवाई करने की आती है, तो 'खून के रिश्ते' और 'पारिवारिक दबाव' आड़े आ जाते हैं। सैनिक की पत्नी अपने सगे भाई को, सास–ससुर अपने बेटे को अदालत के कटघरे में खड़ा करने से कतरा रही है और किसी प्रकार का हिसाब–किताब भी करने से इंकार करती है, क्योंकि भाई को अपनी बहन का, माता–पिता को अपनी बेटी अर्थात सैनिक की पत्नी का आश्रय है कि उनकी बेटी के होते हुए, सैनिक द्वारा कुछ नहीं हो सकता है। शायद इस प्रकरण के कलयुग में एक धृतराष्ट्र पिता भी है, जो अपने पुत्र मोह में अपने नातियों का गला घोट देता है।

ऐसे में सवाल यह उठता है कि वह सैनिक क्या करे, जिसने अपनी खून–पसीने की कमाई उस संपत्ति में लगाई थी? कानून कहता है कि जिसके नाम पर रजिस्ट्री है, वही असली मालिक है। यदि सैनिक की पत्नी ही अपने साथ हुए धोखे को सहने के लिए तैयार हो जाए, तो निवेश करने वाला जीवनसाथी ठगा सा रह जाता है।

जनता के लिए सबकः इस दर्दनाक अनुभव से समाज के लिए कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण सबक निकलते हैं:

1. अंधा विश्वासः 'ब्लैंक' या पूर्ण विश्वास किसी पर भी न करें, चाहे वह आपकी पत्नी ही क्यों न हो। हमेशा स्पष्ट सीमाएं तय करें।

2. सह–मालिक (Co-owner) बनें: यदि आप अपनी कमाई किसी संपत्ति में लगा रहे हैं, तो केवल भावनाओं में बहकर उसे पूरी तरह से किसी एक के नाम पर न करें। हमेशा उस संपत्ति में सह–मालिक (Joint Owner) ज़रूर बनें, ताकि आपके वैधानिक अधिकार सुरक्षित रहें।

3. समय–समय पर निरीक्षणः अपनी संपत्तियों का समय–समय पर भौतिक और दस्तावेज़ी निरीक्षण (Online Record) ज़रूर करते रहें।

4. भविष्य के लिए सख्त वित्तीय अनुशासनः भविष्य में अपनी किसी भी आय या संपत्ति को पूरी तरह से केवल पत्नी के नाम पर निवेश करने से बचना चाहिए। सैनिक की स्वयं की, जो भी बचत है, उसे सुरक्षित रखें और आगे कोई भी संपत्ति खरीदें, तो उसमें हमेशा खुद को सह–मालिक (Co-owner) रखें।

5. पंजीकरण कानूनों में सुधार की आवश्यकताः यह समय की मांग है कि सरकार सब–रजिस्ट्रार के अधिकारों में विस्तार करे, ताकि वे आँख बंद करके रजिस्ट्री करने के बजाय, मुख्तारनामे की कानूनी सीमाओं

(Limit of Authority) की प्रारंभिक जांच कर सकें।

रिश्तों की अपनी जगह है और क़ानून व पैसे की अपनी। जब इन दोनों को मिलाया जाता है, तो अक्सर ऐसे ही परिणाम सामने आते हैं। आज यह एक सैनिक के साथ हुआ है, कल यह किसी और के साथ हो सकता है। समय रहते जाग जाना ही समझदारी है।

जब कानून और मेहनत की कमाई को एक ही तराजू में तौला जाता है, तो अक्सर इंसानियत और इंसाफ, दोनों हार जाते हैं। सैनिक आज भी उसी सरहद पर खड़ा है–देश की रक्षा कर रहा है, लेकिन अपने ही घर में अपनों से ठगा गया है।

(Disclaimer)

इस लेख में व्यक्त किए गए विचार पूरी तरह से काल्पनिक है, यदि इसकी समानता किसी घटना से होती है, तो यह एक संयोग मात्र होगा। इसमें लेखक की राय पूरी तरह से व्यक्तिगत अनुभव और विश्लेषण पर आधारित हैं। यह आवश्यक नहीं है कि ये विचार उस संगठन या विभाग के आधिकारिक रुख को दर्शाते हो जहाँ लेखक कार्यरत है।

उद्देश्यः इस लेख का मुख्य उद्देश्य एक सैनिक के निजी संघर्ष के माध्यम से समाज को जागरूक करना और संपति पंजीकरण कानूनों की जटिलताओं पर प्रकाश डालना है। इसे किसी के विरुद्ध व्यक्तिगत आक्षेप या कानूनी परामर्श के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

कानूनी सलाह नहीं: लेख में उल्लिखित भारतीय पंजीकरण अधिनियम 1908 और 'पावर ऑफ अटॉर्नी' से जुड़ी जानकारी सामान्य समझ के लिए है। पाठकों को सलाह दी जाती है कि अपनी संपत्ति या कानूनी मामलों के संबंध में कोई भी निर्णय लेने से पहले किसी योग्य कानूनी विशेषज्ञ या अधिवक्ता से परामर्श अवश्य लें।

मुझको मेरा हक दो



सि0/जीडी उमेश कुमार राई
पश्चिमी सेक्टर

मुझको मेरा हक दो
मुझको मेरा हक दो पापा,
बहुत कुछ कर दिखलाऊँगी !
लेने दो खुली हवा में सांसे,
बेटे से ज्यादा फर्ज निभाऊंगी !!

उड़ने दो किसी पतंग के जैसी,
आसमान को छूकर आउंगी !!
क्यों डरते हो हैवानी दुनिया से
अकेली सब पर भारी पड़ जाउंगी !!

माना डगर कठिन बहुत है,
मंजिल तक फिर भी जाउंगी !
मुझ पर करो भरोसा तुम,
कभी न दुःख पहुँचाऊँगी !!

करो हौसले मेरे बुलंद तुम,
अधूरे सपने पूरे कर दिखलाऊँगी !
मत आंको कम मेरी ताकत,
संतान का हर फर्ज निभाऊंगी !!

समझा देना मात मेरी को,
जिसने नारी का हर दुःख झेला है!
रखे हौसला अब दिन दूर नही,
जब तुम दोनों का सम्मान बढ़ाउंगी !!

आएगा कभी वक़्त बुरा भी,
हर सुख–दुःख में साथ निभाऊंगी !
नहीं बनूँगी कमजोर कड़ी मैं,
अपने घर की ताकत बन जाउंगी !!

शान हूँ अपने बाबुल की,
कभी न नीचा दिखलाऊँगी !
खेले अगर कोई मेरी आन से,
रूप दुर्गा चंडी का धर जाउंगी !

मुझको मेरा हक दो पापा,
बहुत कुछ कर दिखलाऊँगी!
लेने दो खुली हवा में सांसे,
बेटे से ज्यादा फर्ज निभाऊंगी !!

निसर्ग का अनुपम सौंदर्य



हव/जीडी चव्हाण नितिन उत्तम
113 बटालियन

धरती ने ओढ़ी हरियाली जैसे मखमली शाल बिछाई है,
बेल फूल और पत्तों पर कुदरत की साज़–सज्जा छाई है।

मस्त पवन अब बहने लगी मन बेसुध हुआ जाता है,
मिट्टी की सौंधी खुशबू से कोना–कोना महक जाता है।

नगाड़ों सा गूँज रहा अंबर जब बादल शोर मचाते हैं,
पंख फैलाकर मोर–मोरनी झूम–झूम कर नाचते हैं।

पक्षी गाते मधुर तराने तितली खुशियाँ मनाती है,
हवाओं की सरसराहट जैसे सुर का साथ निभाती है।

बादल की गर्जना सुनकर सहमे खरगोश दुबक जाते हैं।
तेज़ हवा के झोंकों से पंछी बेघर हो जाते हैं।

पर अडिग हौसला पंछियों का, वो फिर भी नहीं घबराते हैं,
धैर्य धरकर मुश्किलों में फिर अपना घर बनाते हैं।

मन घबराए जो मुश्किल में तो हिम्मत का साथ न छोड़ो तुम,
सब मिलकर हाथ बढ़ाओ आगे संकट का रुख मोड़ो तुम।

नया बनाएंगे घर अपना, जीवन का सफल सफर होगा,
एकता और विश्वास अगर हो तो जीत का ही मंज़र होगा।



ऑपरेशन सिंदूर – रक्त का टीका

स.उ.नि/जीडी विकास मिश्रा
49 बटालियन

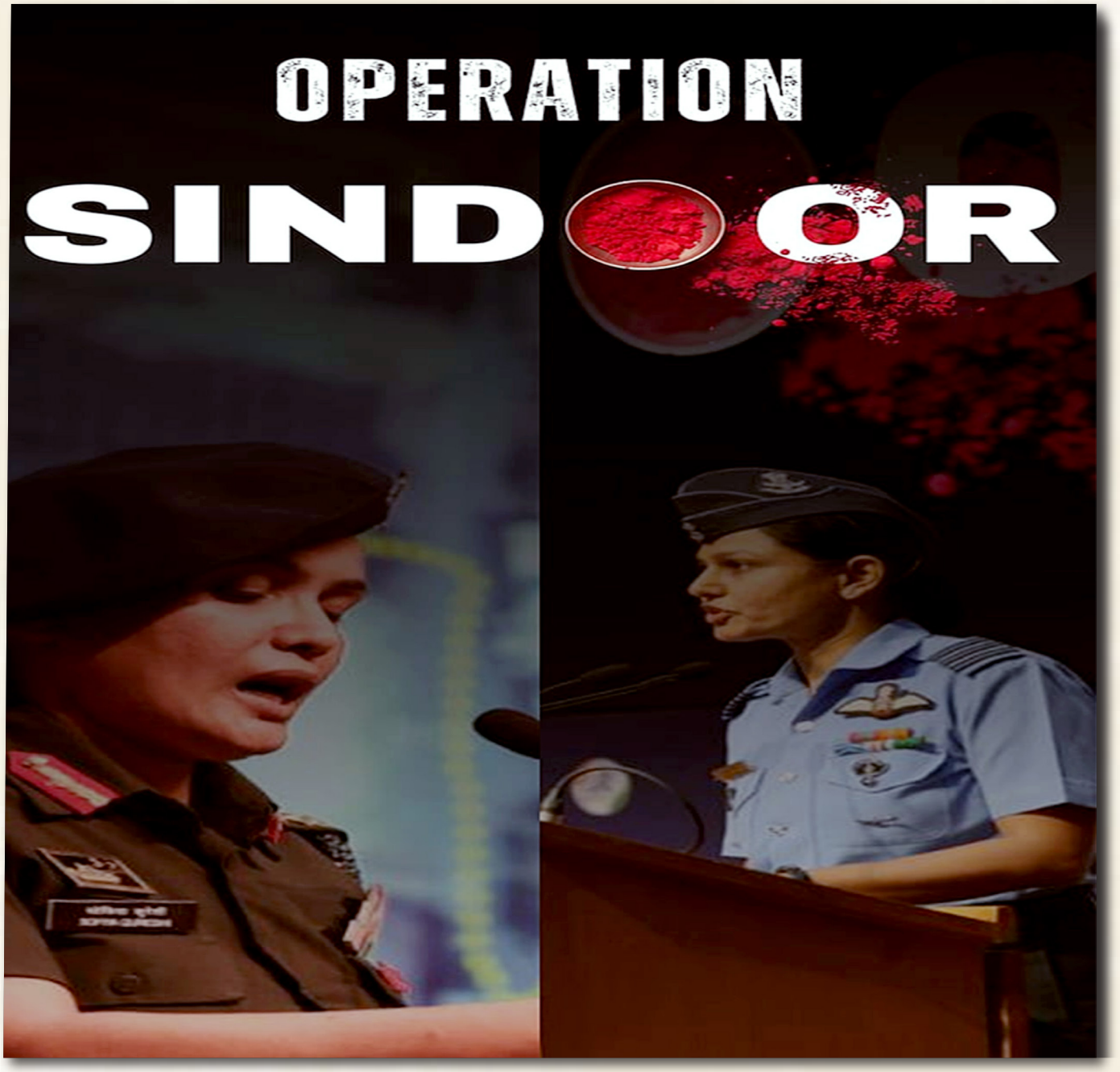
जब सरहदों पर शत्रु ने, की थी नापाक भूल,
हमने उठा ली शपथ वही, उड़ाने उनकी धूल।
हवाओं में थी आहट, तूफानों का था शोर,
गूँज उठा रणक्षेत्र में — 'ऑपरेशन सिंदूर'।

ना रुकेंगे कदम अब, ना झुकेगा यह भाल,
शत्रु की छाती पर अब, नाचेगा महाकाल।
जो आँख उठी धरती पर, वो नोच ली जाएगी,
मौत आज दुश्मन को खुद, गले लगाएगी।

यह सिंदूर नहीं केवल, सुहाग का निशान,
यह रक्त है वीरों का, यह देश की है शान।
माटी की इस मांग को, सूना ना होने देंगे,
चाहे अपने प्राण हम, हँस–हँस के खो देंगे।

हर गोली पे नाम लिखा, हर वार पे है जोर,
देख हमारी ज्वाला को, भागेगा दुश्मन चोर।
बारूद की होली में, जब जिस्म जलेंगे ढेर,
तब जाग उठेंगे रण में, भारत माँ के शेर।
लहू से सिंचन होगा, धरती की प्यास का,
यह अंत नहीं है युद्ध का, यह आरम्भ है इतिहास का।

तिरंगे में लिपट कर, जब घर को हम आएंगे,
अमर करके 'सिंदूर' तेरा, हम सो जाएंगे।
ना रोये कोई आँख, ना मातम का हो मंज़र,
हम बन गए हैं ढाल अब, हम बन गए हैं खंजर।
विजय–तिलक लगाने को, बेटा है तैयार,
देख लो दुनिया वालों, यह है ऑपरेशन सिंदूर का प्रहार!



फौजी की पत्नी का दर्द



निरी/जीडी ओमप्रकाश कुम्हार 'पीएमजी'
114 द्रुत कार्य बल

"जब तुम वर्दी पहन चले गए,
घर ने अपनी आवाज़ खो दी।
दीवारें तो वहीं रहीं,
पर हँसी जाने कहाँ सो दी।

सुबह की चाय ठंडी रहती है,
अख़बार अधूरा सा लगता है।
तुम्हारी कुर्सी खाली देख
हर कमरा मुझसे कुछ कहता है।
मैं मजबूत दिखती हूँ दुनिया को,
पर आईने से नज़र चुराती हूँ।
रात के सन्नाटे में अक्सर
खुद से ही बातें करती जाती हूँ।

हर खबर, हर हेडलाइन
दिल को ज़रा सा डरा देती है।
अनजाने नामों में भी
तुम्हारी परछाईं दिखा देती है।
त्यौहार आए, रिश्तेदार आए,
सबने हालचाल पूछ लिया।
"सब ठीक है" कहकर मैंने
अपने दर्द को फिर छुपा लिया।

माँ कहती है—हिम्मत रख,
देश का मान है तुम्हारा सुहाग।
मैं सिर झुका कर सुन लेती हूँ,
पर आँखें पूछती हैं—कब होगा मिलन का फाग?

बच्चे पूछते हैं—पापा कब आएँगे?
मैं मुस्कान में झूठ पिरोती हूँ।
"जल्दी आयेंगे" कहकर हर बार
उनकी उम्मीदें फिर संजोती हूँ।
रात को फोन बजे अगर अचानक,
तो साँसें थम सी जाती हैं।
आवाज़ तुम्हारी सुनते ही
आँखें खुद–ब–खुद भर जाती हैं।
तुम कहते हो—मैं ठीक हूँ,
यह सुनकर दिल को राहत मिलती है।
पर कॉल कटते ही फिर
ख़ामोशी मुझसे लिपट जाती है।

मैं जानती हूँ, तुम्हारा फर्ज़ बड़ा है,
तुम देश की रक्षा में खड़े हो।
पर क्या कोई जाने
कि मैं भी रोज़ डर से लड़ी हूँ।
मैंने अपने आँसू
तकिए में दबाना सीख लिया।
हर डर, हर आशंका को
प्रार्थना बनाना सीख लिया।
तुम सीमा पर जागते हो,
मैं यहाँ नींद से समझौता करती हूँ।
तुम देश की रखवाली करते हो,
मैं अपने दिल की चौकी संभालती हूँ।

लोग कहते हैं—तुम्हें गर्व होगा,
हाँ मुझे गर्व भी है।
पर गर्व के साथ–साथ
यह दर्द भी मेरा ही है।
लौट आओगे एक दिन,
इस विश्वास पर ही जीती हूँ।
हर दरवाज़े की आहट में
आज भी तुम्हें ही ढूँढती हूँ।

मैं फौजी की पत्नी हूँ,
मेरा दर्द शोर नहीं करता।
मैं चुपचाप इंतज़ार करती हूँ,
क्योंकि मेरा प्यार कमज़ोर नहीं करता।"
जय हिन्द,



आगे बढ़े चलो

कैश प्रकाश, सहायक कमांडेंट
172 बटालियन (डीबीटीएस तरालू में संलग्न)

चले चलो, आगे बढ़े चलो
कर लो फौलादी सीना
कर दुश्मन का मुश्किल जीना
वर्दी पर अपने तमगों को मढ़े चलो
चले चलो, आगे बढ़े चलो।

अपना कोई कर जाए बेईमानी
तो पहले याद दिलाओ उसका सानी
फिर भी न माने तो
सीने पर उसके चढ़े चलो

गर टांग अड़ाए कोई पाकिस्तानी
मारो ऐसा, मांग सके न पानी
हो चुका है ऐसा अतीत में
वीरों की गाथा तुम पढ़े चलो
चले चलो, आगे बढ़े चलो।

रखो हौसला अपने आप पर
पड़े जरुरत कर दो प्राण न्यौछावर
हर मुश्किल से लड़ते हुए
ख्वाबों को खुशियों में गढ़े चलो
चले चलो, आगे बढ़े चलो।

शक्ति भर अपने तन में
विश्वास जगा लो अपने मन में
आए कैसी भी विपत्ति
गर्दिश में तूफानों से लड़े चलो
चले चलो आगे बढ़े चलो
चले चलो आगे बढ़े चलो।





दीपक, कमांडेंट
ग्रुप केन्द्र नागपुर

मेरे गांव की सर्द हवाओं ने गर्म हवाओं को इज्जत क्या दी...
फिज़ाओं ने नयी गजल उछाल दी.!

अबोध आशियाना गौरैयां का बह गया पानी में....
कितने ख्वाबों के गुल्लक तोड़ दिए इस जिंदगी ने...!

लौट आए, उस ऑर्गेनिक सिक्कों की महफिल में...
जहां प्रकृति का संगीत इठलाता है, आसमां की ऊंचाई में...!!

(प्रदूषण मुक्त भारत)



"देश पहले, मैं बाद में"
राष्ट्र सर्वोपरि – जीवन, कर्तव्य और त्याग का महान दर्शन

हव/जीडी गणपत लाल शर्मा
सी टी सी ग्वालियर

1. प्रस्तावना

"देश पहले, मैं बाद में" केवल एक प्रेरणात्मक वाक्य नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र निर्माण का मूल सिद्धांत है। यह विचार व्यक्ति को स्वार्थ, लालच और सीमित सोच से ऊपर उठाकर व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करता है। राष्ट्र केवल भौगोलिक सीमा में नहीं होता। यह हमारी—

- ☐ संस्कृति
- ☐ परंपरा
- ☐ भाषा
- ☐ इतिहास
- ☐ लोकतंत्र
- ☐ संविधान
- ☐ सामूहिक सम्मान

का जीवंत प्रतीक होता है।

जब हम "देश पहले" कहते हैं, तो हम यह स्वीकार करते हैं कि हमारा अस्तित्व राष्ट्र से है। यदि राष्ट्र कमजोर होगा तो नागरिक भी सुरक्षित नहीं रह पाएंगे।

2. राष्ट्र और व्यक्ति का गहरा संबंध ———

व्यक्ति और राष्ट्र एक–दूसरे के पूरक हैं।

राष्ट्र हमें क्या देता है?

- ☐ पहचान (Nationality)
- ☐ सुरक्षा (Security)
- ☐ शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था
- ☐ न्याय प्रणाली
- ☐ अवसर और विकास का मंच

बदले में नागरिक का कर्तव्य क्या है?

- ☐ कानून का पालन
- ☐ राष्ट्र की एकता बनाए रखना
- ☐ कर भुगतान
- ☐ सामाजिक जिम्मेदारी

यदि नागरिक केवल अधिकारों की बात करे और कर्तव्यों की अनदेखी करे, तो लोकतंत्र असंतुलित हो जाता है। इसलिए "देश पहले" का अर्थ है—कर्तव्य सर्वोपरि

3. भारतीय संस्कृति में राष्ट्रभक्ति
भारतीय संस्कृति त्याग और सेवा की भूमि रही है।
हमारे ग्रंथों में कहा गया है—
"जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।"
यह भाव बताता है कि जननी और जन्मभूमि स्वर्ग से भी श्रेष्ठ है।
प्राचीन काल में भी राजाओं ने व्यक्तिगत सुख त्यागकर प्रजा के कल्याण को महत्व दिया। समाज और राष्ट्र के हित को व्यक्तिगत सुख से ऊपर रखा गया।

4. स्वतंत्रता संग्राम: "देश पहले" का जीवंत इतिहास
भारत की स्वतंत्रता कोई साधारण घटना नहीं थी। यह त्याग, संघर्ष और बलिदान की गाथा है।
☐ महात्मा गांधी ने सत्याग्रह और अहिंसा से पूरे राष्ट्र को एक सूत्र में बाँध दिया। उन्होंने व्यक्तिगत आराम का त्याग कर राष्ट्र को स्वतंत्रता का मार्ग दिखाया।
☐ भगत सिंह ने युवाओं में क्रांति की ज्वाला जगाई। उन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर यह संदेश दिया कि देश के लिए जीवन छोटा है, राष्ट्र बड़ा।
☐ सुभाष चंद्र बोस ने आज़ाद हिंद फौज बनाकर सशस्त्र संघर्ष का नेतृत्व किया।
इन महापुरुषों ने सिद्ध किया कि राष्ट्र के लिए समर्पण ही सच्चा अमरत्व है।

5. सैनिक और सुरक्षा बल – सर्वोच्च बलिदान
सीमा पर तैनात सैनिक—
☐ शून्य से नीचे तापमान
☐ भीषण गर्मी
☐ दुर्गम पर्वतीय क्षेत्र
☐ आतंकवाद और युद्ध
इन सबका सामना करते हैं।
वे जानते हैं कि हर दिन खतरे से भरा है, फिर भी उनका संकल्प अडिग रहता है।
उनकी प्रतिज्ञा स्पष्ट होती है कि
"पहले राष्ट्र की सुरक्षा, फिर मेरा जीवन।"
यह त्याग हमें प्रेरित करता है कि हम भी अपने क्षेत्र में जिम्मेदारी निभाएँ।

6. संविधान और नागरिक उत्तरदायित्व
भारतीय संविधान केवल अधिकारों का दस्तावेज नहीं है।
मौलिक कर्तव्य हमें क्या सिखाते हैं?
☐ राष्ट्रध्वज का सम्मान
☐ राष्ट्रीय एकता की रक्षा
☐ पर्यावरण संरक्षण
☐ वैज्ञानिक दृष्टिकोण
यदि हर नागरिक संविधान की भावना को आत्मसात कर ले, तो राष्ट्र में अनुशासन और एकता बनी रहेगी।

7. आधुनिक युग में "देश पहले" का नया अर्थ
आज युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं, बल्कि—
- ☐ आर्थिक क्षेत्र में
- ☐ तकनीकी क्षेत्र में
- ☐ साइबर सुरक्षा में
- ☐ सामाजिक समरसता में भी लड़े जा रहे हैं।

आज देशभक्ति का अर्थ है—
- ☐ भ्रष्टाचार से दूर रहना
- ☐ डिजिटल सुरक्षा बनाए रखना
- ☐ स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना
- ☐ सामाजिक मीडिया पर जिम्मेदारी से व्यवहार करना

8. युवाओं की निर्णायक भूमिका
भारत युवा देश है।
यदि युवा—
- ☐ नशे और नकारात्मकता से दूर रहें
- ☐ कौशल विकास करें
- ☐ स्टार्टअप और नवाचार को बढ़ावा दें
- ☐ समाज सेवा में भाग लें

तो भारत विश्व शक्ति बन सकता है।
युवाओं को समझना होगा कि व्यक्तिगत सफलता तभी सार्थक है जब वह राष्ट्रहित से जुड़ी हो।

9. शिक्षा, चरित्र और नैतिकता
केवल डिग्री प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है।
चरित्र का निर्माण अत्यंत आवश्यक है।
एक ईमानदार अधिकारी, एक निष्ठावान शिक्षक, एक संवेदनशील डॉक्टर ये सभी राष्ट्र निर्माण के स्तंभ हैं।
जब शिक्षा में नैतिकता जुड़ती है, तभी सच्चे नागरिक बनते हैं।

10. आर्थिक राष्ट्रनिर्माण
आर्थिक शक्ति राष्ट्र की रीढ़ है।
- ☐ किसान अन्न उत्पादन करके
- ☐ उद्योगपति रोजगार देकर
- ☐ वैज्ञानिक नवाचार करके
- ☐ व्यापारी ईमानदारी से व्यापार करके

राष्ट्र को मजबूत बनाते हैं।
आत्मनिर्भरता भी "देश पहले" की भावना का आधुनिक स्वरूप है।

11. सामाजिक एकता और सद्भाव
राष्ट्र की शक्ति उसकी विविधता में एकता है।
यदि समाज में विभाजन होगा, तो राष्ट्र कमजोर होगा।
धर्म, भाषा, जाति से ऊपर उठकर राष्ट्रीय एकता बनाए रखना ही सच्ची देशभक्ति है।

12. दैनिक जीवन में राष्ट्रभक्ति

देशभक्ति केवल युद्ध या संकट में नहीं, बल्कि रोजमर्रा के जीवन में भी झलकती है—

- ☐ समय की पाबंदी
- ☐ सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा
- ☐ मतदान करना
- ☐ स्वच्छता रखना
- ☐ ट्रैफिक नियमों का पालन

छोटे–छोटे कार्य बड़े परिवर्तन लाते हैं।

निष्कर्ष

"देश पहले, मैं बाद में" वह दीपक है जो व्यक्ति के जीवन को दिशा देता है।

यदि हर नागरिक—

- ☐ स्वार्थ त्याग दे
- ☐ कर्तव्य निभाए
- ☐ राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखे

तो भारत केवल एक देश नहीं, बल्कि विश्व में आदर्श राष्ट्र बन जाएगा।

आइए, हम सब अपने हृदय में यह संकल्प अंकित करें।

मैं अपने राष्ट्र के सम्मान, सुरक्षा और प्रगति के लिए सदैव समर्पित रहूँगा।

जय हिन्द! जय भारत





सी.आर.पी.एफ. की गौरवशाली संक्षिप्त गाथा

निरी/मंत्रालय सुरेन्द्र सिंह
रंगरूट प्रशिक्षण केन्द्र–दो, आवड़ी

1. केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) भारतवर्ष का सबसे पुराना और बड़ा अर्धसैनिक बल है। जिसकी स्थापना 27 जुलाई 1939 को "क्राउन रिप्रेजिटिटव पुलिस" के रूप में हुई थी। वास्तव में अंग्रेजों के शासन काल के समय देशी रियासतों में राजनीतिक अशांति को नियंत्रित करने के लिए इस बल का गठन किया गया था। स्वतंत्रता के पश्चात् तत्कालीन गृह मंत्री श्री सरदार बल्लभ भाई पटेल के प्रयासों से 28 दिसंबर 1949 को सी.आर.पी.एफ अधिनियम के लागू होने पर इसका नाम बदलकर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल कर दिया गया।

2. इस गौरवशाली बल में 9 अप्रैल 1965 को कच्छ के रण में सी.आर.पी.एफ की एक छोटी टुकड़ी ने पाकिस्तानी बिग्रेड के हमले का बहादुरी से मुकाबला किया और उन्हें पीछे हटने पर मजबूर किया। इसी की याद में हर वर्ष 9 अप्रैल को शौर्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस बल में भारत की पहली सशस्त्र महिला पुलिस बटालियन का गठन वर्ष 1986 में किया गया, जो कि एक ऐतिहासिक उपलब्धि थी।

3. आधुनिक समय में यह बल दुनिया के सबसे बड़े अर्धसैनिक बलों में से एक है। जिसमें 246 से अधिक बटालियनें हैं। यह कोबरा के माध्यम से नक्सल विरोधी अभियानों, (RAF) रैपिड एक्शन फोर्स (द्रुत कार्य बल) के माध्यम से दंगा नियंत्रण और वी.आई.पी. सुरक्षा में भी तैनात रहती है। सी.आर.पी.एफ. का आदर्श वाक्य सेवा और निष्ठा (Service and Loyalty) है। इसी सेवा एवं निष्ठा का परिचय देते हुए 13 दिसम्बर 2001 को संसद पर हुए आतंकवादी हमले को नाकाम करने में इस बल ने अपनी अहम भूमिका निभाई है।

4. इस बल के प्रथम महानिदेशक श्री वी.जी. कनेतकर थे, जिन्होने 3 अगस्त 1968 से 15 सितम्बर 1969 तक अपनी सेवा दी है। वर्तमान समय में इस बल के महानिदेशक श्री ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह हैं जो 30 जनवरी 2025 से इस पद पर तैनात हैं। यह बल भारत वर्ष में आंतरिक सुरक्षा और कानून प्रर्वतन पर ध्यान केंद्रित करती है। इस बल का कर्तव्य सरकारी सम्पति (राज्य एवं केन्द्र) जैसे महत्वपूर्ण स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करना शामिल है।

5. वर्ष 2005 में अयोध्या के राम जन्मभूमि पर हुए आतंकी हमले को नाकाम करना प्रमुख उपलब्धियां हैं। इसके अलावा राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों की पुलिस को कानून व्यवस्था में एवं आंतरिक सुरक्षा सहायता देती है। वामपंथी उग्रवाद (नक्सवाद) और पूर्वोत्तर में आतंकवाद को कुचलना। भारतवर्ष में निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करना। इस बल के द्वारा किए गये अतुल्य कार्य जैसे– भीड़ एवं दंगा पर नियंत्रण करना, संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में भागीदारी और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान बचाव एवं राहत कार्य इत्यादि।

6. इस बल का इतिहास कई वीर गाथाओं से भरा हुआ है। जो कि बल के सभी सदस्यों को प्रेरणा व मार्गदर्शन के स्त्रोत के रूप में कार्य करते हैं। यह सुनामी, सुपर साईक्लोन, भूकंप जैसी आपदाओं में बचाव एवं राहत के कार्यो में सक्रिय रूप से हमेशा शामिल रहती है। इस बल की वर्दी हमें देश एवं समाज की सेवा और जीवन की राह को आसान बनाती है। इस बल का प्रातः काल राष्ट्रीय गान से शुरु एवं संध्या का समापन राष्ट्रीय गीत से होता है। जो कि हमें इस देश का भारतीय नागरिक होने के गौरव का पूर्ण एहसास कराती है।

"भारत माता की जय
वन्दे मातरम
सी.आर.पी.एफ. सदा जय"



Women Empowerment – The Strength of a Nation

उनि/मंत्रा अनिल कुमार यादव
महानिदेशालय केरिपुबल

Women empowerment is not just a social goal; it is the foundation of a strong and progressive nation. When women are empowered, society moves forward with confidence, equality, and justice. Women are the backbone of every family and the driving force behind a nation's development. Empowering them means unlocking half of the country's potential.

For centuries, women faced discrimination and were often denied equal rights in education, employment, and decision-making. Despite these challenges, women have continuously proved their strength and determination. Today, women are leading in every field—science, politics, sports, business, education, and even in the armed forces. Their success stories inspire millions and prove that talent and capability are not defined by gender.

Education is the most powerful tool for women's empowerment. An educated woman becomes confident, independent, and aware of her rights. She not only improves her own life but also shapes the future of her family and society. A mother is often the first teacher of a child, and when she is educated and empowered, an entire generation becomes stronger and more enlightened.

However, true empowerment goes beyond education and employment. It also means ensuring safety, dignity, equal opportunities, and respect for women in every sphere of life. Society must change its mindset and recognize that women deserve the same rights and opportunities as men.

In conclusion, empowering women is not just about uplifting one gender; it is about building a better and more balanced world. When women rise, families flourish, communities grow stronger, and nations prosper. Therefore, empowering women is not only a responsibility but also the key to a brighter and more powerful future for our country.



"सीने पर गोली, दिल में तिरंगा"



उनि/मंत्रा0 गिरधारी लाल शर्मा
महानिदेशालय केरिपुबल नई दिल्ली

दुश्मन के सीने पर चढ़कर तांडव करके आना है,
गोली–बारूद की बारिश में भारत का मान बचाना है।।

भारत की धरती पर जो भी कदम बढ़ाकर आएगा,
पांव उखाड़ के उसके हम दुश्मन को सबक सिखायेंगे।।

बहुत हुई अब शांति की बातें, ज्वाला बनकर आना है,
जिससे कांपे दुश्मन सारा ऐसी हुंकार लगाना है।।

एयर स्ट्राइक की गर्जन बन घर में घुसकर मारेंगे,
पुलवामा जैसे घाव कभी फिर सीने पर हम न खायेंगे।।

देशप्रेम की लौ जलाकर सीने पर गोली खाएंगे,
हंसते–हंसते प्राण लुटाकर भारत मां को बचाएंगे।।

तिरंगे की आन रहे जब तक सांस हमारी चलती है,
भारत माता की जय बोलकर हर कुर्बानी सफल होती है।।

Glimpses



Sh. G.P. Singh, DG, CRPF inspecting the Parade at RTC Avadi (Tamil Nadu)



POP Cum attestation Parade of Batch No.434 at RTC Avadi (Tamil Nadu)



114 RAF organized a "Vande Mataram"- samuhik gaan at Rajkiyakrit Madhya Vidyalaya, Koilwar (Bihar)



151 Bn Distribute essential material under Civic Action Programme at Chalmela (Chhattisgarh)



FOB establish by 39 Bn at Pamunuru, Karregutta Hills (Chhattisgarh)



Stress Management programme by 77 Bn at Chennai (Tamil Nadu)



Sh. G.P. Singh, DG, CRPF Salutes the Pulwama Martyrs at Lethpura (Jammu & Kashmir)



Free Health check up camp at GC, CRPF Jamshedpur (Jharkhand)



Free Medical Camp organized by 111 Bn under Civic Action Programme at Dantewara (Chhattisgarh)



Physical activities and Training at RTC Srinagar (Jammu & Kashmir)

कल्याण शाखा

09/01/2026

एक महत्वूपर्ण पहल के तहत कावा ने सीआरपीएफ(CRPF) के बच्चों के करियर की संभावनाओं को सशक्त बनाने के लिए जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (JIIT) नोएडा के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। इस समझौता ज्ञापन के तहत, जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (JIIT) सेवारत एवं सेवानिवृत्त जवानों के साथ–साथ शहीदों और दिवंगत जवानों के जीवनसाथी एवं बच्चों को ऑनलाइन MBA कार्यक्रमों में 25% ट्यूशन फीस में छूट प्रदान करेगा। यह पहल परिवारों के लिए उच्च शिक्षा को अधिक सुलभ बनाते हुए उनके आत्मनिर्भर भविष्य की दिशा में एक सार्थक प्रयास है।



10/01/2026

अध्यक्षा कावा द्वारा क्षेत्रीय कावा ग्रुप केन्द्र आवडी का दौरा किया। अपने दौरे के दौरान वे वीर नारियों और शहीदों के परिवारों से मिली। कावा अध्यक्षा द्वारा परिसर में निवासरत परिवार के सदस्यों से बातचीत भी की गई।

भर्ती शाखा

जनवरी–फरवरी 2026

1. इस अवधि में सीआरपीएफ नोडल फोर्स द्वारा सिपाही/जीडी–2025 की भर्ती का परिणाम घोषित किया गया जिसमें सीएपीएफ के कुल 48,113 तथा सीआरपीएफ के कुल 13186 पदों पर अभ्यर्थियों को भर्ती किया गया है।

2. इस अवधि में भर्ती शाखा द्वारा करूणामूलक आधार पर विभिन्न पदों के कुल 158 अभ्यर्थियों को भर्ती किया गया है।

3. दिनाँक 24/01/2026 को सीआरपीएफ नोडल फोर्स द्वारा 18वें रोजगार मेला को सम्पन्न किया गया। जिसमें कुल 61000 से अधिक अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र जारी किए गये तथा गृह मंत्रालय द्वारा भी रोजगार मेले के सफल आयोजन पर सीआरपीएफ की अत्यधिक सराहना की गई।



DG's Commendation Disc and Certificate

JAN - FEB 2026

S/No.	C/No.	IRLA/F. No.	Rank	Name	Office/Unit	Disc awarded
1	6265	075276625	Insp/GD	Shri Thirupathi Bhanoth	58 Bn	Bronze
2	6266	215150539	CT/GD	Shri Meirhingmei Thomas	58 Bn	Bronze
3	6267	215091062	CT/GD	Shri Pragyan Boruah	58 Bn	Bronze
4	6268	4688	Comdt	Shri M. Mohan	58 Bn	Golden 3 Star
5	6269	6297	2-I/C	Shri Aruna Kumar Sajja	58 Bn	Silver
6	6270	9193	Asstt. Comdt.	Shri Praveen Kumar	58 Bn	Golden
7	6271	12824	Asstt. Comdt.	Shri Prasad. K	58 Bn	Bronze
8	6272	12831	Asstt. Comdt.	Shri Balwinder Singh	58 Bn	Bronze
9	6273	10718	Asstt. Comdt.	Shri Sanjay Kumar	58 Bn	Bronze
10	6274		DIG	Rajnish Tripathi	RPF Jabalpur	Bronze
11	6275		ASC	Ajay Kumar Sharma	RPF Dte, New Delhi	Bronze
12	6276		Addl SP	Dr. Santosh Dehariya	MP Police (Katni)	Bronze
13	6277		SI	Mahendra Jaiswal	MP Police (Katni)	Bronze
14	6278		SI	Arunpal	MP Police (Katni)	Bronze
15	6279		C-579	Vivek Mishra	MP Police (Katni)	Bronze
16	6280		C-66	Praveen Singh	MP Police (Katni)	Bronze
17	6281	8423	Dy Comdt	Abhay Kumar Singh	170 Bn	Golden 1 Star
18	6282	12296	Asstt. Comdt	Prem Chand Yadav	170 Bn (Now 194)RAF	Golden 1 Star
19	6283	135210704	CT/GD	Borkar Vishal Ashok	170 Bn	Bronze
20	6284	215184694	CT/GD	Akash Kumar	170 Bn	Bronze
21	6285	041610415	HC/GD	Ravinder Kumar	210 CoBRA (Now GC GGM)	Bronze
22	6286	041551437	HC/GD	Ramesh Kumar	210 CoBRA (Now JKZ HQr)	Bronze
23	6287	175317366	CT/GD	Jitu Baral	210 CoBRA (Now 113	Silver
24	6288	145251928	CT/GD	Tadavi Aajij Fakira	210 CoBRA (Now JMU Sec HQr)	Bronze
25	6289	175171031	CT/GD	Sahadeb Pramanik	210 CoBRA	Silver
26	6290	6630	2-I/C	Sanjay Kumar	241 Bn	Golden 2 Star
27	6291	172412955	CT/GD	Jay Kumar Punem	241 Bn	Bronze
28						
29	1	12140	Asstt. Comdt	Raksha Ram Mishra	132 Bn	Bronze
30	2	075052503	ASI/GD	Ibrahim Karisabu	113 Bn	Bronze
31	3	115200366	CT/GD	Satyendra Kumar Tiwari	75 Bn	Silver
32	4	215053633	CT/GD	Vishal Mirajakar	111 Bn	Bronze
33	5	215420679	CT/GD	Sibananda Pradhan	111 Bn	Bronze
34	6	5276	Comdt	Sunil Bhawar	231 Bn	Golden 1 Star
35	7	7144	2-I/C	Satya Narayan	55 Bn	Golden 1 Star

36	8	045201537	Insp/GD	Jagannath Prasad Meena	103 RAF	Silver
37	9	145063189	HC/GD	Lokesh	178 Bn	Bronze
38	10	145252088	CT/GD	Patil Gaurav Ukha	GC Pune	Silver
39	11	175176159	CT/GD	Pabitra Mahakhud	231 Bn	Bronze
40	12	215274719	CT/GD	Busi Rakesh	231 Bn	Bronze
41	13	8476	Dy Comdt	Jitender Kumar Rai	108 RAF	Bronze
42	14	10200	Asstt. Comdt	Dewbrat Pandey	205 CoBRA	Golden 2 Star
43	15	11251	Asstt. Comdt	Amit Kumar Singh	161 Bn	Golden
44	16	225190499	SI/GD	Vishal Singh	205 CoBRA	Bronze
45	17	220740117	SI/GD	Nchumthung Lotha	205 CoBRA	Bronze
46	18	145224815	CT/GD	Mohit Kumar	229 Bn	Silver
47	19	175147088	CT/GD	Brahmanapalle Surya Prakash	210 CoBRA	Silver
48	20	175094304	CT/GD	Sanjib Roy	210 CoBRA	Silver
49	21	175193971	CT/GD	Rahul Kumar	21 Bn	Silver
50	22	7950	Dy Comdt	B Vikram	4 Signal Bn	Bronze
51	23	135141196	CT/GD	Guduri Surendra Babu	DBTS Taralu	Silver
52	24	075170817	CT/GD	Santosh Kumar	94 Bn	Bronze
53	25	041710927	HC/GD	Kuldeep Singh	54 Bn	Bronze
54	26	095252542	CT/GD	Gandole Roshan Wamanrao	197 Bn	Bronze
55	27	2017/033188	K9	Baisha	DBTS Taralu	Silver
56	28	931232508	Insp/Min	Biplab Biswas	196 Bn	Bronze
57	**29**	921880231	Insp/Min	Satender Kumar	Dte Genl	Bronze
58	**30**	121290035	ASI/Min	Niwas Chandra	Dte Genl	Bronze
59	**31**	135153168	ASI/Min	Ajay Singh	Dte Genl	Bronze
60	**32**	7546	Dy Comdt	Niranjan Kumar Nirala	241 Bn	Golden 1 Star
61	**33**	9051	Asstt. Comdt	Pramod Kumar Singh	241 Bn	Golden
62	**34**	9552	Asstt. Comdt	Vinod Singh	132 Bn	Golden
63	**35**	225390498	SI/GD	Rajat Thakur	241 Bn	Bronze
64	**36**	913270928	SI/GD	Rakesh Babu Yadav	241 Bn	Bronze
65	**37**	225370104	SI/GD	Jitendra Baghel	241 Bn	Bronze
66	**38**	192410751	CT/GD	Ishwar Lal Vetti	241 Bn	Silver
67	**39**	172410328	CT/GD	Rajendra Kumar	241 Bn	Bronze
68	**40**	192410412	CT/GD	Madkam Soma	241 Bn	Bronze
69	**41**	172410177	CT/GD	Lara Ram	241 Bn	Bronze
70	**42**	172412465	CT/GD	Neshram Veko	241 Bn	Bronze
71	**43**	172412928	CT/GD	Balvendra Berta	241 Bn	Bronze
72	**44**	172412812	CT/GD	Mahendra Kumar Gote	241 Bn	Bronze

73	**45**	192410323	CT/GD	Kartam Joga	241 Bn	Silver
74	**46**	12731	DIG	Vikas Katheria	Dte Genl	Silver
75	**47**	12140	Asstt. Comdt	Raksha Ram Mishra	132 BN	Silver
76	**48**	031461204	HC/GD	Deore Dhanraj Santosh	111 BN	Bronze
77	**49**	115096964	CT/GD	Reba Das	111 BN	Bronze
78	**50**	110071063	HC/GD	Rohit Kumar Sharma	VSG	Bronze
79	**51**	-	Constable	Kavita Nag	CG Police	Bronze
80	**52**	362	Constable	Sandhu Kunjam	CG Police	Bronze
81	**53**	3585	DIG	Suraj Pal Verma	Dte Genl	Golden
82	**54**	045022554	HC/GD	Krishanpal Singh	108 RAF	Bronze
83	**55**	031532654	HC/GD	Mahabir Roy	50 Bn	Bronze
84	**56**	135322511	CT/GD	Raj Kumar Markam	50 Bn	Bronze
85	**57**	5472	Comdt	Rajeev Kumar	151 Bn	Golden
86	**58**	6660	2-I/C	Ayodhya Singh	DIG RANCHI	Golden 2 Star
87	**59**	8442	Dy Comdt	Ranjan Prakash	Dte Genl	Golden
88	**60**	8835	Asstt. Comdt	Manish Mishra	151 Bn	Golden 1 Star
89	**61**	9809	Asstt. Comdt	Leel Mohan Kumar	GC BBSR	Golden
90	**62**	12379	Asstt. Comdt	Ganapuram Shiva Shankar Reddy	151 Bn	Silver
91	**63**	9469	Asstt. Comdt	Tapesh Kumar	151 Bn	Bronze
92	**64**	11992	SMO/DC	Dr Neeraj Pandey	151 Bn	Bronze
93	**65**	6573	2-I/C	Arun Kumar	241 Bn	Commendation Roll
94	**66**	015110134	Insp/GD	Ajay Kumar	151 Bn	Silver
95	**67**	130540012	Insp/GD	Sashibhusan Sahu	151 Bn	Bronze
96	**68**	045022697	HC/GD	Shiv Dayal	151 Bn	Bronze
97	**69**	135275024	CT/GD	Dannana Appala Naidu	151 Bn	Silver
98	**70**	115344128	Insp/GD	Sivaprasadarao Botsa	212 Bn	Bronze
99	**71**	055142828	HC/GD	Boda Sarangam	212 Bn	Bronze
100	**72**	215190603	CT/GD	Navin Kumar	212 Bn	Bronze
101	**73**	041612098	HC/GD	Jyothirlal V	105 RAF	Bronze
102	**74**	041624105	HC/GD	Dara Naresh	GC AVD	Bronze
103	**75**	215372462	CT/GD	Vijay Kumar	217 Bn	Bronze
104	**76**	145044603	CT/GD	Sushil Kumar Choudhary	60 Bn	Bronze
105	**77**	7109	2-I/C	Binay Kumar	180 Bn	Golden
106	**78**	115342936	CT/GD	Mohd Mudasir Bhat	218 Bn	Bronze
107	**79**	175212038	CT/GD	Patil Samadhan Pitambar	219 Bn	Bronze
108	**80**	215352978	CT/GD	Indra Kant Tiwari	219 Bn	Bronze
109	**81**	215142002	CT/GD	Munjeti Rahul Kumar	219 Bn	Bronze

110	**82**	5635	2-I/C	Manoj Kumar	61 Bn	Silver
111	**83**	8503	Dy Comdt	Sujit Kumar Jha	228 Bn	Golden
112	**84**	11973	SMO/DC	Dr Vinoth Kumar N	228 Bn	Bronze
113	**85**	7191	2-I/C	Ravindra Singh	202 CoBRA	Commendation Roll
114	**86**	8426	Dy Comdt	Ashutosh Kumar Singh	202 CoBRA	Silver
115	**87**	225420396	SI/GD	Rajan Singh	202 CoBRA	Bronze
116	**88**	5293	Comdt	Santosh Kumar Mall	204 CoBRA	Commendation Roll
117	**89**	9479	Asstt. Comdt	Deepak Kothari	4 SIG Bn	Golden 1 Star
118	**90**	5670	2-I/C	Devendra Singh Kaswa	204 CoBRA	Golden
119	**91**	12149	Asstt. Comdt	Abhishek Jorwal	83 RAF	Golden
120	**92**	12297	Asstt. Comdt	Ajay Pratap Singh Parihar	103 RAF	Bronze
121	**93**	040730061	Insp/GD	Shaitan Ram Bhakar	28 Bn	Bronze
122	**94**	225150024	SI/GD	Bandi Susmith Kumar	204 CoBRA	Bronze
123	**95**	225190409	SI/GD	Ankush Kumar	204 CoBRA	Bronze
124	**96**	175353041	CT/GD	Deepak Das	204 CoBRA	Bronze
125	**97**	7552	Dy Comdt	Partha Sarathi Sahoo	DIG NGR	Golden 1 Star
126	**98**	9775	Asstt. Comdt	Mohammed Waseem	RTC JODR	Silver
127	**99**	12197	Asstt. Comdt	Ashutosh Kumar	79 Bn	Bronze
128	**100**	221310036	SI/GD	Rahul Singh	207 CoBRA	Bronze
129	**101**	041642683	HC/GD	Lakhvinder Singh	246 Bn	Bronze
130	**102**	175101825	CT/GD	Bikku Kumar	207 CoBRA	Bronze
131	**103**	6316	2-I/C	Pramod Chaudhari	208 CoBRA	Golden
132	**104**	041740835	HC/GD	Durvesh Kumar	208 CoBRA	Bronze
133	**105**	127200294	Insp/GD	Ashok Kumar Choudhary	ISA MT Abu	Bronze
134	**106**	11628	Asstt. Comdt	Prem Prakash	91 RAF	Bronze
135	**107**	145314298	CT/GD	Jitendra Oraon	106 RAF	Bronze
136	**108**	130210012	Insp/GD	Bhagwan Sahay Burdak	Ops Range Sukma	Bronze
137	**109**	015214581	HC/GD	Bhakte Arun Bharatji	Ops Range Sukma	Silver
138	**110**	041624863	HC/GD	P Santhosh Kumar	204 CoBRA	Bronze
139	**111**	135278969	CT/GD	Shaik Irfan	204 CoBRA	Bronze
140	**112**	13271	IG	Shri Vineet Brij Lal	IG OPS KMR	Bronze
141	**113**		SDPO	Md. Abdul Ghafoor, KPS	J&K Police	Bronze
142	**114**	11889	AC/Min	R Elumalai	DTE GEN	Silver
143	**115**	13050	AC/Engr.	Ayush Kansal	DTE GEN	Bronze
144	**116**	13062	AC/Engr.	Nitin Khandelwal	DTE GEN	Bronze
145	**117**	060390818	SI/Min	Vinay Kumar	GC BBSR	Bronze
146	**118**	075290047	SI/Min	Prem Nath Tiwari	DTE GEN	Bronze

147	**119**	195080547	SI/Civil	Saurabh Kumar Jadaun	DTE GEN	Bronze
148	**120**	015061179	ASI/Min	R C Ruhela	DTE GEN	Bronze
149	**121**	125070092	ASI/Min	Chandan Kumar	215 Bn	Bronze
150	**122**	195080725	ASI/DFT	Hanuman Saran	DTE GEN	Bronze
151	**123**	095140227	CT/GD	Polagani Thirupathi	170 Bn	Bronze
152	**124**	5297	Comdt	Harvinder Singh	241 Bn	Golden 3 Star
153	**125**	6630	2-I/C	Sanjay Kumar	241 Bn	Golden 3 Star
154	**126**	9051	Asstt. Comdt	Pramod Kumar Singh	241 Bn	Golden 1 Star
155	**127**	9190	Asstt. Comdt	Vinod Kumar Sharma	241 Bn	Golden 1 Star
156	**128**	172412955	CT/GD	Jay Kumar Punem	241 Bn	Silver
157	**129**	172410275	CT/GD	Madakam Mukesh	241 Bn	Bronze
158	**130**	5276	Comdt	Sunil Bhawar	231 Bn	Golden 2 Star
159	**131**	041548955	HC/GD	Naresh Kumar Uikey	231 Bn	Bronze
160	**132**	135320758	CT/GD	Shailendra Kumar Meravi	231 Bn	Bronze
161	**133**	175214745	CT/GD	Ughade Sadashiv Popat	204 CoBRA	Bronze
162	**134**	175122119	CT/GD	Patil Yogesh Yuvaraj	204 CoBRA (Now IIM Pune)	Bronze
163	**135**	175093691	CT/GD	Binod Deury	204 Bn CoBRA	Silver
164	**136**	175353077	CT/GD	Pankaj Yadav	204 Bn CoBRA	Bronze
165	**137**	175331732	CT/GD	Bikash Ghosh	204 CoBRA (Now 82 Bn)	Bronze
166	**138**	175251863	CT/GD	Samatiya Bharatbhai	204 CoBRA (Now 100 RAF)	Bronze
167	**139**	12563	SPL-MO(GD-II-SS)/2-IC	Dr. Parthesh A Satwara	CH Ranchi	Bronze
168	**140**	82247089	Captain/Pilot, DIG	Gp Capt Tarun Saha (Retd)	BSF Air Wing	Bronze
169	**141**	82450670	2-I/C (Pilot)	Wg Cdr Jayveer Singh (Retd)	BSF Air Wing	Bronze
170	**142**	7059	2-I/C	Vishvas Kumar Singh	218 Bn	Golden
171	**143**	10912	Asstt. Comdt	Bharathi Munusamy	218 Bn	Silver
172	**144**	120480071	Insp/GD	Anil Kumar	218 Bn	Bronze
173	**145**	041663137	HC/GD	Kartar Chand	218 Bn	Bronze
174	**146**	031483093	HC/GD	Jitendra Kumar	218 Bn	Bronze
175	**147**	015103183	HC/GD	Rajendra Nath Saren	218 Bn	Bronze
176	**148**	041588877	HC/GD	Madan Adhikari	218 Bn	Bronze
177	**149**	041577554	HC/GD	Gujar Pratap Sakharam	218 Bn	Bronze
178	**150**	175317491	CT/GD	Sanyasi Barad	218 Bn	Bronze
179	**151**	175322154	CT/GD	Manish Kumar	218 Bn	Bronze
180	**152**	135230901	CT/GD	Ajay	218 Bn	Bronze

181	**153**	135120233	CT/GD	Pargi Rughanathbhai Akhambhai	218 Bn	Bronze
182	**154**	215322553	CT/GD	Gulshan Kumar	218 Bn	Bronze
183	**155**	215052939	CT/GD	Jampala Venkatesh	218 Bn	Bronze
184	**156**	115020965	CT/GD	Rajkumar Yadav	218 Bn	Bronze
185	**157**	075340276	CT/GD	Wakeel Ahmed Theekri	218 Bn	Bronze
186	**158**	175201348	CT/Bug	Ujjawal Kumar	218 Bn	Bronze
187	**159**	075000948	CT/GD	Pradeep Kumar Nehra	218 Bn	Bronze
188	**160**	215321511	CT/GD	Vikeshwar	218 Bn	Bronze
189	**161**	175225266	CT/GD	Randheer Singh Rathia	218 Bn	Bronze
190	**162**	215322749	CT/GD	Vikas	218 Bn	Bronze
191	**163**	105175825	CT/GD	Subhash Oraon	218 Bn	Bronze
192	**164**	145041657	CT/GD	Debasish Halder	218 Bn	Bronze
193	**165**	145310648	CT/GD	Francis Tigga	218 Bn	Silver
194	**166**	5755	2-I/C	V Jayamadhavan	64 Bn	Golden
195	**167**	13128	Asstt. Comdt	Anand Singh	218 Bn	Silver
196	**168**	075183796	Insp/GD	Narendra Kumar	218 Bn	Bronze
197	**169**	031340826	Insp/GD	Prabhat Kumar	218 Bn	Silver
198	**170**	245120129	SI/MSN	Ajay Kumar	218 Bn	Bronze
199	**171**	913220823	SI/GD	Ramsukh Ram	151 Bn	Golden
200	**172**	971400738	ASI/GD	Rameshwar	218 Bn	Bronze
201	**173**	901290128	ASI/GD	Surender Kumar	218 Bn	Silver
202	**174**	041720727	HC/GD	Sanjay Ekka	218 Bn	Bronze
203	**175**	055160933	HC/GD	Parveen Kumar	218 Bn	Silver
204	**176**	041596095	HC/GD	Shaju K	218 Bn	Bronze
205	**177**	055160274	HC/GD	Gurmail Chand	79 Bn	Bronze
206	**178**	135251659	HC/GD	Sunil Homraj Tumdam	53 Bn	Bronze
207	**179**	045031847	HC/GD	B Devarajan	50 Bn	Bronze
208	**180**	035210463	HC/RO	Sushil Kumar Ray	4th SIG Bn	Bronze
209	**181**	175312951	CT/GD	Gobind Bhagat	218 Bn	Bronze
210	**182**	215281493	CT/GD	Tarun Mandloi	218 Bn	Bronze
211	**183**	175314945	CT/GD	Mukesh Oraon	218 Bn	Bronze
212	**184**	085342664	CT/GD	Mustafa Mapnoo	218 Bn	Bronze
213	**185**	175432403	CT/GD	Baijnath Bharati	218 Bn	Bronze
214	**186**	929880023	CT/Cook	Jaivir Singh	218 Bn	Bronze
215	**187**	041695547	HC/RO	V Suresh	4th SIG Bn	Bronze
216	**188**	031445477	HC/Dvr	Dharma Ram Jat	Range Ajmer	Bronze
217	**189**	135105271	CT/GD	Durga Charan Majhi	228 Bn	Bronze
218	**190**	145323163	CT/SK	Vikas Kumar Sahu	218 Bn	Bronze

Achievements

JAMMU & KASHMIR

JAN 2026

- **Terrorists neutralized - 01**
- **OGW/Suspects/Criminals apprehended - 03**
- **Seizures**

1.	Arms	-	03 Nos
2.	Amns	-	59 Nos
3.	Grenade	-	04 Nos
4.	IEDs	-	01 No

FEB 2026

- **Terrorists neutralized - 06**
- **Seizures**

1.	Arms	-	06 Nos
2.	Ammunitions	-	224 Nos

Achievements

NORTH - EAST

JAN 2026

Apprehension

- Insurgents - 02
- Sympathizers/Suspects/Criminals/Drug Peddler - 33

Insurgents Surrendered - 03

Seizure

1.	Arms	-	19 Nos
2.	Ammunitions	-	307 Nos
3.	Explosive (in Kg)	-	0.8 Kg
4.	Grenade	-	11 Nos
5.	Bomb	-	15 Nos
6.	Rocket	-	01 No
7.	IEDs	-	09 Nos
8.	Detonator	-	11 Nos
9.	Cash (in Rs)	-	25550/-
10.	Narcotics	-	51.481 Kg

FEB 2026

Sympathizers/Suspects/Criminals/Drug Peddler apprehended - 24

Insurgents Surrendered- 03

Seizures

1.	Arms	-	13 Nos
2.	Ammunitions	-	279 Nos
3.	Grenade	-	12 Nos
4.	Detonator	-	01 No
5.	Cash (in Rs)	-	28660/-

Achievements

LWE AFFECTED AREA

JAN 2026

- **Maoist neutralized - 23**
- **Apprehension**
  - Maoist - 18
  - Sympathizers/Suspects/Criminals -12
- **Maoists Surrendered - 141**
- **Seizures**

1.	Arms	-	78 Nos
2.	Amns	-	2189 Nos
3.	Explosive	-	20.49 Kg
4.	Grenade	-	19 Nos
5.	Bomb	-	04 Nos
6.	IEDs	-	48 Nos
7.	Detonator	-	138 Nos
8.	G/Stick	-	910 Nos
9.	Cash (in Rs)	-	645755/-

Achievements

LWE AFFECTED AREA

FEB 2026

- **Maoist neutralized - 10**

- **Apprehension**
  - Maoist - 13
  - Sympathizers/Suspects/Criminals - 03

- **Maoists Surrendered - 71**

- **Seizures**

1. Arms - 118 Nos
2. Ammunitions - 656 Nos
3. Explosive - 18.4 Kg
4. Grenade - 193 Nos
5. Bomb - 01 No
6. IEDs - 96 Nos
7. Detonator - 552 Nos
8. G/Stick - 93 Nos
9. Narcotics - 1.71 Kg


पदक विजेता
87th सी.आर.पी.एफ. दिवस
समारोह 2026